NOOGLE
(NOGS ka Google)

Don’t Google…..Ask Noogle

गर्भावस्था में जांच और टीकाकरण

NOGS 20-21 & AMOGS PAC INITIATIVE

VOLUME - 6

NOOGLE

(NOGS ka Google)

Don't Google... Ask Noogle

THE TEAM

DR. NANDITA PALSHETKAR
PRESIDENT AMOGS

DR. VAIDEHI MARATHE
PRESIDENT NOGS
CHAIR - PAC AMOGS

DR. ARUN NAYAK
SECRETARY AMOGS

DR. RAJASI SENGUPTA
SECRETARY NOGS

COMPILED BY

Dr. Yamini Kale & Dr. Sanjana Sainani

From the NOGS President's Desk . . .

Dear Members,

It gives me immense pleasure to hand over the third volume of Patient's Information handouts which is going to be monthly feature. The sixth volume focuses on "Investigations and Vaccination in Pregnancy."

In recent years, patients have increasingly requested the opportunity to participate fully in their medical care. An important part of responding to this is providing educational handouts that inform patients about health problems, describe medical treatments, and promote healthy behaviors. They are useful extension of spoken communications and are also an extension of medical care. Spoken messages are forgotten quickly and so they need to be reinforced with the informative handouts. Educational handouts are an important part of the communication patents receive from health care providers.

This is our small effort to provide our members wit these ready handouts for better communication with their patients. The member can print and use them for their patients benefit. We hope that you will find them useful.

I wish to profusely thank our young brigade – the ever enthusiastic, ever ready Dr. Yamini Kale &
Dr Sanjana Sainani for toiling very hard and putting it up together within a very short span of time. We deeply appreciate their super effort.

Wishing you all a very healthy patient interaction.

Sincerely,
Dr. Vaidehi Marathe
President NOGS 2020-21
Chairperson PAC AMOGS

Message from the President AMOGS...

Hello everyone,

The theme of AMOGS this year is "We for Stree". I would like to thank every AMOGSian who has helped making every woman Safer, Stronger, and Smarter.

I would like to congratulate Dr. Vaidehi Marathe and Team NOGS for this Patient education booklet. I would also like to thank the contributors and the editorial team for their contributions towards this great booklet.

The aim of this booklet is to ensure that you are able to get basic knowledge regarding different areas of women health care. I hope this booklet helps you achieve that and clears all your doubts.

Dr. Nandita Palshetkar
President
AMOGS.

INDEX

Sr. No.	Topics
01	वार्षिक देखभाल
02	1st ट्राइमेस्टर (गर्भावस्था के 1-3 महीने)
03	स्क्रीनिंग test
04	2nd ट्राइमेस्टर (गर्भावस्था के 4-6 महीने)
05	3rd ट्राइमेस्टर (गर्भावस्था के 7-9 महीने)
06	गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासोनोग्राफी
07	गर्भावस्था के दौरान टीकाकरण

प्रसवपूर्व देखभाल

1. प्रसवपूर्व देखभाल क्या है?
•यह देखभाल आप अपने गर्भावस्था के दौरान अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से प्रसव तक प्राप्त करती हैं।

2. अच्छे प्रसव पूर्व देखभाल का महत्व क्या है?
•स्वस्थ माँ और स्वस्थ बच्चा।

3. प्रसवपूर्व देखभाल का उद्देश्य क्या है?
•यह हमें आपकी गर्भावस्था को **कम जोखिम** और **उच्च जोखिम के** रूप में वर्गीकृत करने में मदद करता है और
आपके अनुसार आवश्यक उपचार प्रदान करता है

4. अच्छी प्रसवपूर्व देखभाल ने गर्भावस्था के परिणाम को कैसे बदल दिया है?
•अच्छा, नियमित रूप से प्रसवपूर्व दौरा यह सुनिश्चित करेगा कि आपको गर्भावस्था में न्यूनतम जटिलताएं होंगी और बदले में एक सुरक्षित प्रसव और स्वस्थ बच्चा होगा।

5. क्या प्रसवपूर्व देखभाल का कोई अतिरिक्त प्रभाव पड़ता है?
•अच्छा प्रसव पूर्व देखभाल न केवल आप शारीरिक लाभ , लेकिन यह भी अपने मानसिक स्वास्थ्य पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
यह आपको अपने चिकित्सक के साथ तालमेल विकसित करने में मदद करता है , आपके शरीर के परिवर्तनों को बेहतर ढंग से समझता है और आपके दिमाग को प्रसव के लिए तैयार करता है ।

6. कौन सब को प्रसव पूर्व देखभाल में शामिल किया गया है?
•गर्भवती महिला और परिवार
•प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ
•रेडियोलॉजिस्ट

7. प्रसवपूर्व देखभाल के प्रमुख तत्व क्या हैं?
•रक्त परीक्षण
•अल्ट्रासोनोग्राफी
•टीकाकरण

1st ट्राइमेस्टर (गर्भावस्था के 1-3 महीने)

1. **आपको** पहले जाँच **बार अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से कब मिलना चाहिए?**
पहल तब होनी चाहिए जब आप अपने पीरियड्स मिस कर चुके हों या आपने होम यूरिन प्रेगनेंसी टेस्ट कर लिया हो, जो सकारात्मक हो।

2. **आपको अपने डॉक्टर से 1 सेंट एंटेनाटल बुकिंग में क्या उम्मीद करनी चाहिए ?**

- **रोगी इतिहास:** एक विस्तृत इतिहास लिया जाता है जिसमें आपके पिछले मासिक धर्म की तारीख, पिछले प्रसव या गर्भपात, पिछले चिकित्सा और सर्जिकल इतिहास शामिल होते हैं। एक दवा का इतिहास लिया जाता है, चाहे आप किसी भी दवा पर हों और दवा एलर्जी का इतिहास भी अगर नोट किया गया हो। मधुमेह, रक्तचाप, थायराइड विकारों के लिए पारिवारिक इतिहास, अस्थमा के बारे में पूछा जाएगा। धूम्रपान और शराब जैसे लाइफ़स्टाइल कारकों पर चर्चा की जाएगी।

- **परीक्षा** : डॉक्टर द्वारा आयोजित:ऊंचाई, वजन, बीएमआई
महत्वपूर्ण पैरामीटर: नाड़ी, बीपी, तापमानसामान्य परीक्षा: पलर, ओडमा (पैरों पर सूजन), श्वसन और हृदय प्रणाली की जांच की जाएगीपेट की जांचप्रति योनि (आंतरिक) परीक्षा, यदि आवश्यक हो

3. 1 सेंट एंटीना की यात्रा पर मुझे कौन से परीक्षण की सलाह दी जाएगी ?

नियमित रक्त परीक्षण :

•अपने बेसलाइन हीमोग्लोबिन और प्लेटलेट के स्तर को जानने के लिए रक्त की गिनती पूरी करें

•ब्लड ग्रुप

•सीरम टीएसएच- नैदानिक और उप-हाइपोथायरायडिज्म का निदान और इलाज करने के लिए। गर्भावस्था के पहले 3 महीनों में असामान्य थायरॉइड लेव्स
का परिणाम बच्चों में सुपरोपिमल न्यूरोइंटरलॉजिकल डेवलपमेंट हो सकता है।

•एफ एस्टिंग या रक्त शर्करा को पोस्ट-पोस्ट करना - यह आवश्यक है कि जटिलताओं से बचने के लिए गर्भावस्था की शुरुआत में चीनी का स्तर सामान्य होना चाहिए

•यू राइन रूटीन माइक्रोस्कोपी- एक मिडस्ट्रीम मूत्र का नमूना स्पर्शोन्मुख जीवाणु और किसी भी मूत्र पथ के संक्रमण (यूटीआई) से बचने के लिए एकत्र किया जाता है और

•एचआईवी, एचबीएसएजी, वीडीआरएल और एंटी-एचसीवी जैसे सीरियलिंग स्क्रीनिंग ताकि संक्रमित पोस्ट प्रसवोत्तर हस्तक्षेप को संक्रमित महिलाओं को माँ के बच्चे के संचरण के जोखिम को कम करने के लिए पेश किया जा सके

•एचबी इलेक्ट्रोफोरेसिस जैसे रोगियों के लिए विशेष परीक्षण थैलेसीमिया और सिकल सेल स्क्रीनिंग के लिए किया जा सकता है। यदि पत्नी एक वाहक है, तो पत
का एचबी वैद्युतकणसंचलन भी किया जाना चाहिए।

4. 1 सेंट अल्ट्रासोन ओ ग्राफी का उद्देश्य क्या है ?

गर्भावस्था के स्थान और भ्रूण की व्यवहार्यता (दिल की धड़कन) की तलाश के लिए इस यात्रा पर एक अल्ट्रासोनोग्राफी की सलाह दी जाती है।

5. कितने कुल प्रसव पूर्व का दौरा 1 में सलाह दी जाती है सेंट तिमाही गर्भावस्था ?

हर महीने में एक बार

6. 1 सेंट ट्राइमेस्टर में चेतावनी लक्षण क्या हैं, आपको तुरंत अपने डॉक्टर से मिलने के लिए संकेत देना चाहिए?

पहली तिमाही में चेतावनी के लक्षण:

- योनि से खून बहना
- पेट में दर्द
- लगातार उल्टी होना
- ठंड लगना या बुखार
- पेशाब के दौरान दर्द या जलन

स्क्रीनिंग टेस्ट

1. स्क्रीनिंग टेस्ट क्या हैं

- गर्भावस्था में स्क्रीनिंग एक विशेष विकार वाले उच्च जोखिम वाले लोगों की पहचान करने के लिए मार्कर और परिभाषित स्क्रीनिंग कट स्तर के साथ महिलाओं की आबादी का सर्वेक्षण करने की प्रक्रिया है।

2. किसे स्क्रीनिंग से गुजरना चाहिए

- सभी गर्भवती महिलाओं को उम्र की परवाह किए बिना एक सूचित परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से स्क्रीनिंग टेस्ट की पेशकश की जानी चाहिए

3. विभिन्न स्क्रीनिंग परीक्षण क्या उपलब्ध हैं?

1. NT स्कैन
2. दोहरी / डबल मार्कर (PAPP A और बीटा HCG)
3. चौगुना मार्कर

3. NT स्कैन क्या है?

- यह गर्भावस्था और गुणसूत्र संबंधी असामान्यताओं की भविष्यवाणी के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्कैन है जो जन्म दोष और बौद्धिक विकलांगता का कारण बन सकता है जैसे: गुणसूत्र की असामान्यता संख्या 21 (डाउन सिंड्रोम) (जांच की दर: 90-95%)

4. दोहरी / दोहरी मार्कर परीक्षण क्या है?

- यह शिशु में क्रोमोसोमल असामान्यताओं के लिए एक स्क्रीनिंग रक्त परीक्षण है।
- आपका रक्त का नमूना उसी दिन एकत्र किया जाएगा जो NT स्कैन के रूप में है।
- यह आपके रक्त में PAPPA और मुक्त बीटा एचसीजी के स्तर को स्क्रीन करता है।

5. डबल मार्कर परीक्षण रिपोर्ट की व्याख्या क्या है ?

- अपनी रिपोर्ट से पता चलता है, तो **कम जोखिम या स्क्रीन नकारात्मक** है, यह नहीं है मतलब कोई खतरा नहीं है कि वहाँ है, यह है मैं mply कि संभावना का मतलब है अपने बच्चे को एक आनुवंशिक असामान्यता होने के बेहद कम है।
- यदि यो उर रिपोर्ट **उच्च जोखिम या स्क्रीन पॉस इटिव का** सुझाव देती है **, तो** यह आपके बच्चे में आनुवंशिक असामान्यता का उच्च जोखिम है ।

7. यदि स्क्रीनिंग परीक्षणों में से एक असामान्य है तो क्या किया जाना चाहिए ?

- आपको किसी भी क्रोमोसोमल असामान्यता के निदान की पुष्टि करने के लिए गैर इनवेसिव प्रीनेटल टेस्टिंग इनवेसिव (NIPT) या CVS / एमनियोसेंटेसिस जैसे इनवेसिव परीक्षण की सलाह दी जा सकती है ।

8. नॉन इनवेसिव प्रीनेटल टेस्ट (NIPT) क्या है?

- यह रक्त परीक्षण है जो मां के रक्त के एक नमूने में आपके बच्चे के नाल से डीएनए को देखता है।
- यह पहचानता है कि क्या माँ को आनुवंशिक विकार वाले बच्चे को जन्म देने का खतरा है।
- सबसे आम स्थितियों में से तीन के लिए परीक्षण की सटीकता 97-99% है (ट्राइसॉमी 13, 18,21)

9. आक्रामक परीक्षण क्या है?

- **कोरियोनिक विलस सैंपलिंग (CVS):**
- यह एक प्रक्रिया है जो कोरियोनिक विलस (प्लेसेंटल टिशू) के नमूने की जांच करती है
- गर्भावस्था के 11-14 सप्ताह के बीच किया गया
- रिपोर्ट में आमतौर पर 3 सप्ताह लगते हैं
- प्रक्रिया के दौरान गर्भपात का बहुत कम जोखिम है (<1%)
- **एमनियोसेंटेसिस:**
- यह एक प्रक्रिया है जिसमें सोनोग्राफी मार्गदर्शन के तहत परीक्षण के लिए एमनियोटिक द्रव का एक नमूना लिया जाता है।
- 15-18 सप्ताह की गर्भावस्था के दौरान बेटवेट हुआ ।
- रिपोर्ट आमतौर पर 3 सप्ताह लग जाते हैं
- प्रक्रिया के दौरान गर्भपात का बहुत कम जोखिम है (<1%)

10. चौगुनी मार्कर क्या है?

. यह गर्भावस्था के 15-20 सप्ताह के बीच किए गए बच्चे में गुणसूत्र संबंधी असामान्यता के लिए एक स्क्रीनिंग रक्त परीक्षण है

. यह PAPPA और मुक्त बीटा एचसीजी, आपके रक्त में ए और असंरचित एस्ट्रैडियोल के स्तर को स्क्रीन करता है।

2 एनडी ट्राइमेस्टर (4 वें से 6 वें महीने तक की यात्रा)

- **1. दूसरी तिमाही गर्भावस्था में कितने प्रसवपूर्व दौरे आवश्यक हैं?**
- एक बार गर्भावस्था के 13 से 28 सप्ताह तक हर महीने।
- यदि आप उच्च जोखिम की श्रेणी में आते हैं, तो आपकी स्त्रीरोग विशेषज्ञ आपको अधिक लगातार दौरे के लिए बुला सकती हैं

- **2. आम तौर पर दूसरी तिमाही के दौरान डॉक्टर के साथ आपकी यात्रा पर क्या परीक्षा होती है?**
- दूसरी तिमाही के दौरान शारीरिक आकलन में मुख्य रूप से निम्नलिखित जाँच शामिल हैं:

. भार बढ़ना

. रक्तचाप

. एडिमा, या पैरों पर सूजन

. मौलिक ऊंचाई, या पेट का आकार,

. भ्रूण की वृद्धि

. भ्रूण की धड़कन

- **3. 2 एन डी ट्राइमेस्टर में कौन से लक्षण आपको तुरंत अपने डॉक्टर से मिलने के लिए प्रेरित करना चाहिए?**
  - यदि आपको ऐसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत अपने चिकित्सक को देखना सुनिश्चित करें:

. योनि से खून बहना

. गंभीर या निरंतर सिरदर्द

. दृष्टि का धुंधलापन या धुंधलापन

. पेट में दर्द

. लगातार उल्टी होना

. ठंड लगना या बुखार

. पेशाब के दौरान दर्द या जलन

. योनि से तरल पदार्थ का रिसाव

. एक निचले छोर में सूजन या दर्द

- **४ । 16 से 18 सप्ताह की यात्रा में आपको कौन से रक्त परीक्षण की सलाह दी जाती है?**
- **पर 16-18 सप्ताह:**

. आपके बच्चे के विकास को स्थापित करने के लिए एक जाँच की जाएगी

. गर्भावस्था में मधुमेह से **बचने के लिए ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट किया** जाएगा।

  - ए) एक उपवास रक्त का नमूना लिया जाएगा।
  - बी) आपको पीने के लिए 75 ग्राम ग्लूकोज सिरप दिया जाएगा और एक रक्त का नमूना इसके 1 घंटे 2 घंटे बाद लिया जाएगा।
  - ग) यदि आपके पास मधुमेह का पारिवारिक इतिहास है, तो आपको गर्भावधि मधुमेह (गर्भावस्था का मधुमेह) होने का अधिक खतरा होगा और आपको उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा और तदनुसार उपचार किया जाएगा।

- घ) यदि आप गर्भावधि मधुमेह का विकास करते हैं, और यह अच्छी तरह से नियंत्रित नहीं है, तो आपका बच्चा आकार में बड़ा हो सकता है, एमनियोटिक द्रव में वृद्धि हो सकती है और बच्चे में कुछ विकृति हो सकती है , इसलिए प्रारंभिक निदान आवश्यक है

- **5। गर्भावस्था के 18-20 सप्ताह में क्या महत्वपूर्ण है ?**
- **अल्ट्रासोनोग्राफी: विसंगति स्कैन -**
- यह गर्भावस्था में सबसे महत्वपूर्ण सोनोग्राफी है।
- यह बच्चे में किसी भी संरचनात्मक दोषों की जांच करने के लिए किया जाता है ।
- जरूरत पड़ने पर **क्वॉड्रुपल मार्कर** की सलाह दी जाती है

- **6. आमतौर पर 22-24 सप्ताह में क्या सलाह दी जाती है ?**
- जरूरत पड़ने पर **भ्रूण 2 डी इको** ।
- आपके बच्चे में दिल की समस्याएं अगर किसी को इस स्तर पर सबसे अच्छा निदान किया जा सकता है ।

- **7. अपने 28 सप्ताह के चेक अप से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं?**
- बच्चे की वृद्धि का आकलन करने के लिए जाँच करें।
- भ्रूण कल्याण के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी
- बी lood परीक्षण : एक दोहरा पूरा रक्त गणना, मूत्र दिनचर्या और थायरॉयड समारोह परीक्षण की सलाह दी जाएगी।
- इंजेक्शन एंटी डी आपके रक्त समूह के लिए दिया जाएगा आरएच नकारात्मक

3 आरडी ट्राइमेस्टर (5 वें से 7 वें माह के पूर्व)

- **1. 3 तिमाही की गर्भावस्था में कितने प्रसवपूर्व दौरे आवश्यक हैं ?**
  - 3 आरडी ट्राइमेस्टर (29-36 सप्ताह): हर 15 दिन
  - प्रसव के लिए 36 सप्ताह: सप्ताह में एक बार
  - यदि आप उच्च जोखिम की श्रेणी में आते हैं, तो आपकी स्त्रीरोग विशेषज्ञ आपको अधिक लगातार दौरे के लिए बुला सकती हैं

- **2. 32-34 सप्ताह के जन्म के दौरे पर क्या किया जाता है ?**

  32-34 सप्ताह :
  - बच्चे के विकास के लिए नियमित जाँच।
  - प्रसव के तरीके पर चर्चा की जाएगी जिसमें सामान्य जन्म, वैक्यूम, संदंश, सीजेरियन सेक्शन पर चर्चा की जाएगी।
  - स्टेम सेल बैंकिंग पर भी चर्चा होगी।

- **3. 36 -38 सप्ताह में आपको क्या सलाह दी जाती है ?**
  - हीमोग्लोबिन के लिए रक्त परीक्षण की जाँच करें और दोहराएं
  - सोनोग्राफी : अनुमानित शिशु के वजन, एमनियोटिक द्रव और बच्चे को रक्त के प्रवाह को जानने के लिए यदि आवश्यक हो तो डॉपलर के साथ ग्रोथ स्कैन।
  - आपको इसके बारे में जानकारी दी जाएगी :
  - नवजात शिशु की देखभाल
  - विट K और अपने नवजात शिशु के लिए स्क्रीनिंग
  - स्तनपान
  - आपके बच्चे के जन्म के बाद आपका अपना स्वास्थ्य
  - बच्चे को उदास और प्रसवोत्तर अवसाद

4. 39 - 40 सप्ताह के बीच आपको क्या देखभाल प्रदान की जाती है ?

- बेबी के विकास का आकलन किया जाएगा।
- यदि आप उच्च जोखिम की श्रेणी में आते हैं, तो एक गैर तनाव परीक्षण की सलाह दी जा सकती है, जो बच्चे के दिल की धड़कन का एक ग्राफ है।
- श्रोणि मूल्यांकन
- श्रम के प्रेरण के विकल्पों और विकल्पों पर चर्चा और पेशकश की जाएगी।
-
-

5. नॉन स्ट्रेस टेस्ट क्या है?

- नॉनस्ट्रेस परीक्षण:
- इस परीक्षण में बच्चे के हृदय की गति को मापने के लिए मां के पेट में फैले हुए भ्रूण के मॉनिटर का उपयोग करना शामिल है
- कई उच्च जोखिम वाले गर्भधारण में साप्ताहिक रूप से, ऐसे मामलों में जहां एक महिला एक से अधिक भ्रूण ले जा रही है, या मधुमेह या उच्च रक्तचाप है, हृदय गति।
- इसका उपयोग नियत शिशुओं पर निगरानी के लिए भी किया जाता है ।

गर्भावस्था में अल्ट्रासोनोग्राफी

1. गर्भावस्था के दौरान कितने अल्ट्रासोनोग्राफी आवश्यक हैं?

- 1. गर्भावस्था के स्थान और व्यवहार्यता के लिए 6-8 सप्ताह
- 2. 11-13 सप्ताह (3 आरडी महीने) - एनटी स्कैन
- 3. 18-20 सप्ताह (5 वें महीने) - विसंगति स्कैन
- 4. 32-36 सप्ताह (9 वें महीने) -दोपलर के साथ-साथ स्कैन (यदि आवश्यक हो)

2. अल्ट्रासोनोग्राफी क्या है?

- एक अल्ट्रासाउंड ध्वनि तरंगों और एक कंप्यूटर स्क्रीन का उपयोग करता है जो गर्भ में आपके बच्चे की तस्वीर दिखाता है।
- अल्ट्रासाउंड आपके डॉक्टर को यह देखने में मदद कर सकता है कि आपका बच्चा कैसे विकसित और विकसित हो रहा है।
- कई प्रकार के अल्ट्रासाउंड हैं और वे एक प्रशिक्षित पेशेवर द्वारा किए जाने पर आपके और आपके बच्चे के लिए सुरक्षित हैं।

3. क्या अल्ट्रासाउंड के विभिन्न प्रकार हैं?

- हाँ। जिस तरह से आपको मिलता है वह इस बात पर निर्भर करता है कि आपका डॉक्टर गर्भावस्था के लिए क्या जाँच कर रहा है और आप कितनी दूर हैं।

- **अल्ट्रासाउंड के सबसे आम प्रकार हैं:**
  - **ए) ट्रांस पेट का अल्ट्रासाउंड:**

. यह आमतौर पर गर्भावस्था में किया जाता है।

. आप अपनी पीठ पर एक परीक्षा की मेज पर लेट जाते हैं, और आपका डॉक्टर जेल की एक पतली परत के साथ आपके पेट को कवर करता है। आपको परीक्षण के दौरान एक पूर्ण मूत्राशय होने के लिए कई गिलास पानी पीने की आवश्यकता हो सकती है।

. अल्ट्रासाउंड दर्द रहित है।

. अल्ट्रासाउंड में लगभग 20 मिनट लगते हैं ।

  - **बी) ट्रांस योनि अल्ट्रासाउंड:**

. यह एक अल्ट्रासाउंड है जो योनि के माध्यम से किया जाता है।

. योनि के माध्यम से सोनोग्राफी जांच की जाती है

. जांच के कारण आपको कुछ दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन आमतौर पर यह दर्द का कारण नहीं होता है।

. आपका मूत्राशय खाली होना चाहिए।

. इस तरह के अल्ट्रासाउंड में भी लगभग 20 मिनट लगते हैं।

. 1 सेंट ट्राइमेस्टर में, आमतौर पर यह सोनोग्राफी की जाती है

4. एक नाममात्र स्कैन क्या है ?

. यह पूरी गर्भावस्था में सबसे महत्वपूर्ण सोनोग्राफी है।

. विसंगति स्कैन या मध्य-गर्भावस्था स्कैन एक अल्ट्रासाउंड स्कैन है जो गर्भावस्था के 18 वें और 22 वें सप्ताह के बीच किया जाता है

. गर्भावस्था की इस अवधि में सभी विसंगतियों को सबसे अच्छा उठाया जा सकता है

. यह एक विचार भी देता है कि प्लेसेंटा कहाँ पड़ा है।

5. विसंगति स्कैन इतना महत्वपूर्ण क्यों है ?

- बढ़ती गर्भावस्था में किसी भी शारीरिक असामान्यता की जाँच के लिए मध्य-गर्भावस्था विसंगति स्कैन किया जाता है।
- यह बच्चे के अंगों में से किसी भी बड़ी शारीरिक / संरचनात्मक असामान्यताओं का पता लगा सकता है।
- गर्भावस्था की इस अवधि में लगभग सभी विसंगतियों को सबसे अच्छा उठाया जा सकता है
- यद्यपि यह हर समस्या को नहीं उठा सकता , लेकिन यह आपके डॉक्टर को बच्चे की हड्डियों, हृदय, मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी, चेहरे, गुर्दे और पेट के बारे में एक विचार देता है।
- भ्रूण स्कैन में आमतौर पर लगभग आधे घंटे लगते हैं।

6. डॉपलर अल्ट्रासाउंड क्या है?

- आपको अपने बच्चे के बारे में मी अयस्क की जानकारी प्राप्त करने के लिए डॉपलर अल्ट्रासाउंड की सलाह दी जा सकती है
- इस तरह के अल्ट्रासाउंड का उपयोग आपके बच्चे के रक्त प्रवाह की जांच के लिए किया जाता है यदि वह सामान्य रूप से नहीं बढ़ रहा है।
- यह आमतौर पर अंतिम तिमाही में उपयोग किया जाता है, लेकिन यह पहले किया जा सकता है।

7. क्या गर्भावस्था के दौरान किसी विशेष प्रकार के अल्ट्रासोनोग्राफी हैं?

- **3-डी अल्ट्रासाउंड** । एक 3-डी अल्ट्रासाउंड एक बार में हजारों तस्वीरें लेता है। यह एक 3-डी छवि बनाता है जो लगभग एक तस्वीर के रूप में स्पष्ट है। यह एक बच्चे के चेहरे में असामान्यताओं के लिए भी जांच कर सकता है।
- **4-डी अल्ट्रासाउंड** । यह 3-डी अल्ट्रासाउंड की तरह है, लेकिन यह वीडियो में आपके बच्चे की हरकतों को भी दिखाता है।

पूर्वगामी में पद

1. तीन आवश्यक टीके क्या हैं?

- टेटनस
- इन्फ्लुएंजा का टीका
- टीडीएपी (टेटनस, डिप्थीरिया, पर्टुसिस)

2. गर्भावस्था में आवश्यक टीके कब लगवाने चाहिए?

- 18-20 सप्ताह: टेटनस और डिप्थीरिया (टीडी वीएसी) 1 खुराक
- 26 सप्ताह: इन्फ्लुएंजा (स्वाइन फ्लू) वैक्सीन 1 खुराक
- 28-32 सप्ताह: टीडीएपी (टेटनस, डिप्थीरिया, पर्टुसिस) 1 खुराक

3. क्या गर्भावस्था के दौरान टीके लगवाना सुरक्षित है?

- हाँ। गर्भावस्था के दौरान अनुशंसित टीकों को प्राप्त करना सुरक्षित है।
- एफडीए की देखरेख में सुरक्षा के लिए सभी टीकों का परीक्षण किया जाता है।

4. गर्भवती महिलाओं को टीका क्यों लगवाना चाहिए?

- गर्भावस्था आपको उन रोगों के लिए अतिसंवेदनशील बनाती है जो आपको या आपके अजन्मे बच्चे को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- गर्भवती महिलाओं को अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ के साथ उन टीकों के बारे में चर्चा करनी चाहिए जिनके लिए उन्हें गर्भावस्था की आवश्यकता होती है।

5. गर्भावस्था में स्वाइन फ्लू का टीका क्यों जरूरी है?

- फ्लू एक गंभीर बीमारी है जो बुखार, ठंड लगना, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द, उल्टी और दस्त का कारण बन सकती है।
- फ्लू के खिलाफ टीकाकरण करवाना महत्वपूर्ण है क्योंकि गर्भवती महिलाओं को फ्लू से गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।
- फ्लू शुरुआती श्रम और प्रसव जैसी गंभीर समस्याएं भी पैदा कर सकता है, जो आपके बच्चे के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।
- आपको और आपके अजन्मे बच्चे की सुरक्षा के अलावा, गर्भावस्था के दौरान फ्लू का शॉट मिलने से यह संभावना कम हो जाती है कि नवजात शिशु पैदा होने के बाद कई महीनों तक फ्लू का शिकार होंगे, जिससे निमोनिया (फेफड़ों में संक्रमण) जैसी गंभीर जटिलताओं का खतरा कम होता है।

6. टीडीएपी वैक्सीन क्या है और गर्भावस्था में क्यों आवश्यक है?

- टीडीएपी टेटनस, डिप्थीरिया और पर्टुसिस (काली खांसी) के लिए खड़ा है
- गर्भावस्था के दौरान, यह माँ और शिशु को सर्वोत्तम सुरक्षा प्रदान करता है।
- हर गर्भावस्था के दौरान सभी गर्भवती रोगियों को इसकी सलाह दी जाती है।
- इष्टतम समय 28 और 32 सप्ताह के गर्भधारण के बीच है (अधिमानतः इस अवधि के पहले भाग के दौरान) मातृ एंटीबॉडी प्रतिक्रिया और शिशु को निष्क्रिय एंटीबॉडी हस्तांतरण को अधिकतम करने के लिए।
- जब प्रसवोत्तर अवधि के दौरान गर्भावस्था के दौरान टीडीएपी दिया जाता है तो कुछ शिशुओं को पर्टुसिस (काली खांसी) से मरना और मरना होगा।

7. गर्भावस्था में क्या अन्य वैकल्पिक टीकाकरण की पेशकश की जा सकती है?

- इसमे शामिल है:

- न्यूमोनिया। यह एक या दोनों फेफड़ों में संक्रमण है।
- मस्तिष्कावरण शोथ। यह एक संक्रमण है जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सूजन का कारण बनता है।
- हेपेटाइटिस ए और बी ये हेपेटाइटिस ए और बी वायरस के कारण होने वाले यकृत संक्रमण हैं।
- हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप b (जिसे हिब भी कहा जाता है)। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर बीमारी है। यह मेनिन्जाइटिस, निमोनिया, अन्य गंभीर संक्रमण और मृत्यु का कारण बन सकता है।